Weekly One Liners 30th March to 5th April, 2026

PM मोदी ने गुजरात में Kaynes Semiconductor प्लांट का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **31 मार्च 2026** को **Kaynes Semicon** के सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन **Sanand** में किया। यह उद्घाटन भारत की सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमता में बढ़ती ताकत और वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की दिशा में उसके बढ़ते कदम को दर्शाता है। यह संयंत्र अब उन्नत कंपोनेंट्स का उत्पादन शुरू कर चुका है, जो इलेक्ट्रिक वाहन **(EV)** और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

केन्स सेमीकॉन का उद्घाटन

Kaynes Semicon के सेमीकंडक्टर प्लांट के उद्घाटन के बाद कंपनी ने देश में घरेलू चिप उत्पादन शुरू कर दिया है। यह संयंत्र **Sanand,** गुजरात में स्थित है और भारत के मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के निर्माण की व्यापक योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रधानमंत्री **Narendra Modi** ने इस अवसर पर कहा कि यह कोई अलग-थलग पहल नहीं है, बल्कि देशभर में तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर क्षेत्र का हिस्सा है, जहाँ कई परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। यह प्लांट भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करेगा और आयात पर निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'मेक इन इंडिया' और वैश्विक सप्लाई चेन को बढ़ावा

Kaynes Semicon का यह प्लांट 'Make in India, Make for the World' के विजन के तहत विकसित किया गया है। इस संयंत्र का एक बड़ा हिस्सा पहले से ही वैश्विक बाजारों से जुड़ा हुआ है और इसमें अमेरिका की कंपनियों के साथ साझेदारी भी शामिल है। इस प्लांट से Intelligent Power Modules (IPMs) की आपूर्ति वैश्विक कंपनियों को की जाएगी, जिससे भारत की सिलिकॉन वैली जैसी सप्लाई चेन में भागीदारी बढ़ेगी और निर्यात की संभावनाएँ मजबूत होंगी। साथ ही, यह भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में बेहतर रूप से एकीकृत करेगा।

EVs और भविष्य की तकनीकों को बढ़ावा

इस प्लांट में निर्मित सेमीकंडक्टर कंपोनेंट्स, विशेष रूप से IPMs, उभरती तकनीकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये मॉड्यूल इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) को बढ़ावा देंगे, जिससे सतत (sustainable) मोबिलिटी को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, ये औद्योगिक स्वचालन, भारी मशीनरी, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा-कुशल प्रणालियों के विकास में भी अहम भूमिका निभाएँगे।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन

प्रधानमंत्री Narendra Modi ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन (2021) के महत्व पर भी जोर दिया। इस मिशन का उद्देश्य देश में पूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करना, घरेलू निर्माण और डिजाइन क्षमताओं को बढ़ावा देना तथा वैश्विक चिप आयात पर निर्भरता को कम करना है। वर्तमान में भारत में ₹1.6 लाख करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट विभिन्न राज्यों में चल रहे हैं, जो इस क्षेत्र में देश की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 और कौशल विकास

भारत अब सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की ओर बढ़ रहा है, जिसमें कच्चे माल से लेकर उपकरण तक पूरी सप्लाई चेन के विकास पर ध्यान दिया जाएगा। सरकार प्रतिभा विकास (talent development) में भी निवेश कर रही है, जिसके तहत 85,000 से अधिक सेमीकंडक्टर पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही "Chips to Startup" कार्यक्रम के माध्यम से स्टार्टअप्स को समर्थन दिया जा रहा है और 400 से अधिक विश्वविद्यालयों व नवाचारकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

भारत जनगणना 2027 डिजिटल: चरण 1 - 1 अप्रैल, 2026 से शुरू

भारत 2027 में अगली जनगणना शुरू करने जा रहा है, जो देश के इतिहास की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी। इसका पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। इसकी घोषणा Mritunjay Kumar Narayan द्वारा की गई। यह भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल ऐप और ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल का उपयोग किया जाएगा। यह पोर्टल कई भाषाओं में उपलब्ध होगा और डेटा संग्रहण में अधिक सटीकता, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करेगा।

जनगणना 2027 चरण 1: मुख्य बिंदु और समयरेखा

जनगणना 2027 का पहला चरण **हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना (HLO)** कहलाता है। यह अप्रैल से सितंबर 2026 तक भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जाएगा।

इस चरण में निम्नलिखित जानकारी एकत्र की जाएगी:

- आवास की स्थिति और संरचना
- घरेलू सुविधाएँ जैसे पानी, बिजली और स्वच्छता
- संपत्ति का स्वामित्व और जीवन स्तर

इस चरण की मुख्य विशेषता **Self-Enumeration (SE)** है, जिससे नागरिक स्वयं ऑनलाइन जानकारी भर सकेंगे, उसके बाद गणनाकार घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे।

समयरेखा:

- 15 दिन – सेल्फ-एन्यूमरेशन
- 30 दिन – घर-घर जाकर गणना

यह हाइब्रिड मॉडल सुविधा और डेटा की विश्वसनीयता दोनों सुनिश्चित करता है।

राज्यवार शेड्यूल

जनगणना के पहले चरण का शेड्यूल पूरे देश में सुचारू रूप से लागू करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

- सभी राज्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच इस प्रक्रिया को पूरा करेंगे
- यह लंबी अवधि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और प्रभावी डेटा संग्रहण में मदद करेगी

चरण 2: जनसंख्या गणना (2027)

दूसरा चरण **Population Enumeration (PE)** कहलाता है और यह फरवरी 2027 में आयोजित होगा।

इस चरण में निम्नलिखित व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाएगी:
• जनसांख्यिकीय विवरण (आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति)
• शिक्षा और रोजगार
• प्रवास से संबंधित जानकारी
• प्रजनन और सामाजिक-आर्थिक संकेतक

इस चरण में **जाति आधारित जनगणना** भी की जाएगी, जो नीति निर्माण और सामाजिक न्याय के लिए महत्वपूर्ण होगी।

जनगणना 2027 की खास बातें

जनगणना 2027 भारत की डेटा संग्रह प्रणाली में बड़ा बदलाव लाएगी।
• **Digital-First Approach**: कागज की जगह मोबाइल ऐप का उपयोग
• **Real-Time Data Upload**: तुरंत डेटा अपलोड, जिससे त्रुटियाँ कम होंगी
• **Self-Enumeration Portal**: नागरिक 16 भाषाओं में ऑनलाइन जानकारी भर सकेंगे

ये सभी नवाचार जनगणना को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाएंगे।

चरण – 1 राज्यों के लिए कार्यक्रम – तिथि

State/UT	Self-Enumeration Period	Houselisting & Housing Census Period
Andaman and Nicobar Islands, Delhi (NDMC & Cantonment), Goa, Karnataka, Lakshadweep, Mizoram, Odisha, Sikkim	1 Apr -15 Apr	16 Apr – 15 May
Gujarat*, Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu	5 Apr – 19 Apr	20 Apr – 19 May
Uttarakhand	10 Apr – 24 Apr	25 Apr – 24 May
Madhya Pradesh, Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Chandigarh, Chhattisgarh, Haryana	1 May – 30 May	16 Apr – 30 Apr
Bihar	17 Apr – 1 May	2 May – 31 May
Telangana	26 Apr – 10 May	11 May – 9 Jun
Punjab	30 Apr – 14 May	15 May – 13 Jun
Delhi (MCD), Maharashtra, Meghalaya, Rajasthan, Jharkhand	1 May – 15 May	16 May – 14 Jun
Uttar Pradesh	7 May – 21 May	22 May – 20 Jun
Jammu & Kashmir, Ladakh, Puducherry	17 May – 31 May	1 Jun – 30 Jun
Himachal Pradesh	1 Jun – 15 Jun	16 Jun – 15 Jul
Kerala, Nagaland	16 Jun – 30 Jun	1 Jul – 30 Jul
Tamil Nadu, Tripura	17 Jul – 31 Jul	1 Aug – 30 Aug
Assam	2 Aug – 16 Aug	17 Aug – 15 Sep
Manipur	17 Aug – 31 Aug	1 Sep – 30 Sep
West Bengal	To be decided	To be decided

पीएम मोदी ने महावीर जयंती पर सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मार्च 2026 को गुजरात यात्रा के दौरान गांधीनगर में **सम्राट संप्रति संग्रहालय** का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन भारत की समृद्ध जैन विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम Mahavir Jayanti के शुभ अवसर पर आयोजित हुआ, जिससे इसे विशेष आध्यात्मिक महत्व मिला। यह संग्रहालय कोबा गांव स्थित श्री महावीर जैन आराधना केंद्र में स्थित है।

सम्राट संप्रति संग्रहालय: जैन सभ्यता की झलक

नव-स्थापित सम्राट संप्रति संग्रहालय जैन संस्कृति और परंपराओं का एक व्यापक केंद्र है। इसका नाम सम्प्रति के नाम पर रखा गया है, जो जैन धर्म के प्रचार और अहिंसा के प्रसार के लिए प्रसिद्ध थे। इस संग्रहालय में लगभग 2,000 दुर्लभ कलाकृतियाँ प्रदर्शित हैं, जो जैन दर्शन और उसके ऐतिहासिक विकास को दर्शाती हैं। पत्थर की बारीक नक्काशी वाली मूर्तियों से लेकर प्राचीन पांडुलिपियों तक, हर प्रदर्शनी जैन परंपराओं की आध्यात्मिक समृद्धि और कलात्मक उत्कृष्टता को दर्शाती है। आधुनिक ऑडियो-विजुअल तकनीक का उपयोग इसे और भी शिक्षाप्रद एवं आकर्षक बनाता है।

सात गैलरियाँ: सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत

इस संग्रहालय को सात अलग-अलग गैलरियों में विभाजित किया गया है, जिनमें प्रत्येक जैन धर्म और भारतीय सभ्यता के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती है।

इन गैलरियों में शामिल हैं:
• प्राचीन पांडुलिपियाँ और जैन शिक्षाओं से संबंधित चित्रित ग्रंथ
• तीर्थंकरों की पत्थर और धातु की मूर्तियाँ
• लघु चित्रकला, सिक्के और चांदी के रथ
• पारंपरिक कलाकृतियाँ, जो सदियों पुरानी शिल्पकला को दर्शाती हैं

यह संरचित व्यवस्था जैन धर्म के उद्भव से लेकर उसके पूरे भारत में प्रभाव तक के विकास को समझने में मदद करती है।

Adda247 LIVE CLASSES

Online LIVE Classes for SSC, Banking, Railways and Other Govt Exams

Live & Recorded Classes

PDF Notes & Study Material

Mock Tests & Practice Questions

Doubt Solving Sessions

- **Expert Faculty** with Interactive Classes
- Full Exam Syllabus Coverage + Mock Tests
- Courses Available in Hindi, English & Regional Languages

Get Started Now

महावीर जयंती और जैन मूल्यों का महत्व

महावीर जयंती के अवसर पर हुआ यह उद्घाटन महावीर की शिक्षाओं के महत्व को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि:

- सत्य, अहिंसा और करुणा के सिद्धांत आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं
- जैन दर्शन समानता, दया और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है
- ये मूल्य आधुनिक वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक हैं

सम्राट संप्रति कौन थे?

सम्राट संप्रति (224–215 ईसा पूर्व) जैन धर्म के महान संरक्षक माने जाते हैं। उन्हें उनके दादा Ashoka की तरह धार्मिक मूल्यों के प्रसार के लिए जाना जाता है, लेकिन उन्होंने विशेष रूप से जैन धर्म के प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया।

उनके प्रमुख योगदानों में शामिल हैं:

- पूरे भारत में कई जैन मंदिरों का निर्माण
- जैन साधुओं का संरक्षण और अहिंसा का प्रचार
- नैतिक और अहिंसक शासन व्यवस्था को बढ़ावा देना

यह संग्रहालय उनके इसी स्थायी योगदान और विरासत का प्रतीक है।

NASA का ऐतिहासिक कदम: 50 वर्षों बाद मानव चंद्र मिशन की शुरुआत

नासा का आर्मिटस II मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों ने अमेरिका के फ्लोरिडा से उड़ान भरी है। यह चंद्रमा के चारों ओर घूमने की 10 दिन की बहुत महत्वपूर्ण यात्रा है। चीन की पहली मानव-युक्त लैंडिंग से पहले इंसानों को चंद्रमा की सतह पर भेजने की दिशा में अमेरिका का एक साहसी कदम माना जा रहा है। आर्मिटस II के क्रू सदस्य अंतरिक्ष में उस जगह तक जाएंगे, जहां तक इंसान पहले कभी नहीं पहुंचे हैं।

यह बहुत ही खास और ऐतिहासिक पल है, क्योंकि करीब 54 साल बाद इंसान फिर से चांद की ओर जा रहा है। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, मिशन कमांडर रीड वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन। तीन साल की ट्रेनिंग के बाद चार सदस्यों का यह क्रू नासा के आर्टिम कार्यक्रम में उड़ान भर रहा है।

इस मिशन का उद्देश्य

यह कार्यक्रम साल 2017 में शुरू किए गए कई अरब डॉलर के मिशनों की एक श्रृंखला है। इसका उद्देश्य अगले दशक और उसके बाद चंद्रमा पर अमेरिका की लंबे समय तक मौजूदगी सुनिश्चित करना है। नासा ने बताया है कि ओरियन अंतरिक्ष यान 'डीप स्पेस नेटवर्क' के साथ संपर्क में है। 50 सालों में पहली बार नासा को एक ऐसे अंतरिक्ष यान से सिग्नल मिल रहा है, जो इंसानों को लेकर चांद की ओर बढ़ रहा है।

चार एस्ट्रोनॉट में तीन पुरुष और एक महिला

आर्मिटस II के चार एस्ट्रोनॉट में तीन पुरुष और एक महिला है। चांद पर जा रही नासा टीम में अमेरिकी नागरिक रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच के साथ कनाडाई नागरिक जेरेमी हैनसेन शामिल हैं। यह टीम 10 दिनों के मिशन पर चंद्रमा पर उतरे बिना पृथ्वी के उपग्रह का चक्कर लगाएगी। दरअसल क्रू का गमड्रॉप के आकार का ओरियन कैप्सूल पृथ्वी की कक्षा में उड़ान के साढ़े तीन घंटे बाद SLS के ऊपरी चरण से अलग होगा। इसके बाद अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान का मैनुअल कंट्रोल अपने हाथ में लेकर उसकी स्टीयरिंग और मैन्यूवरेबिलिटी की जांच करेंगे।

क्रू 25 घंटे पृथ्वी के चारों ओर एक ऊंची

क्रू 25 घंटे पृथ्वी के चारों ओर एक ऊंची, अंडाकार कक्षा में चक्कर लगाते हुए बिताएंगे और अलग हुए ऊपरी चरण को करीब से गुजरने वाले मैन्यूवर के लिए टारगेट के तौर पर इस्तेमाल करेंगे। ऑटोमेटेड सिस्टम के बजाय अपनी आंखों से देखकर अनुमान लगाने पर भरोसा करते हुए वे ओरियन को उस चरण से 10 मीटर दूर ले जाएंगे।

गुरुत्वाकर्षण बल का इस्तेमाल

योजना के अनुसार चीजें हुईं तो ओरियन का मुख्य इंजन क्रू को चांद की ओर एक 'फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी' पर आगे बढ़ाएगा। यह एक ऐसा रास्ता है, जो पृथ्वी और चांद के गुरुत्वाकर्षण बल का इस्तेमाल करके अंतरिक्ष यान को वापस घर ले आता है। यह मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से 252,000 मील (406,000 km) दूर ले जाएगा।

आर्मिटस II क्यों है खास?

आर्मिटस II इस पूरे कार्यक्रम का दूसरा और बेहद अहम मिशन है। यही वो मिशन है जो इंसानों को एक बार फिर चांद की दिशा में लेकर जाएगा। यह सीधे चांद पर लैंड नहीं करेगा, लेकिन चांद के आसपास उड़ान भरकर आगे के मिशनों की तैयारी करेगा।

भारतीय नौसेना INS अरिदमन: विशेषताएँ, भूमिका और रणनीतिक महत्व की व्याख्या

भारतीय नौसेना ने अपनी तीसरी परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी, INS अरिदमन को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। इस कदम से भारत की समुद्र-आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को काफ़ी मज़बूती मिली है, और साथ ही देश की रणनीतिक सैन्य शक्ति में भी इज़ाफ़ा हुआ है। यह घटनाक्रम INS तारागिरी के कमीशनिंग के साथ ही सामने आया है, जो भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारतीय नौसेना की शक्ति के ज़बरदस्त विस्तार का प्रतीक है।

INS अरिदमन क्या है?

INS अरिदमन भारत की अरिहंत-श्रेणी की पनडुब्बियों का हिस्सा है, जिसे परमाणु-युक्त बैलिस्टिक मिसाइलें ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके शामिल होने के बाद, नौसेना के इतिहास में पहली बार भारत के पास समुद्र में तीन ऑपरेशनल SSBNs (शिप सबमर्सिबल बैलिस्टिक न्यूक्लियर पनडुब्बियां) मौजूद हैं।

यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने भारत की 'सेकंड-स्ट्राइक' (दूसरे हमले की) क्षमता को मज़बूत किया है और साथ ही रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाया है। यह दुनिया में एक प्रमुख नौसैनिक शक्ति के रूप में भारत की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

यह पनडुब्बी यह सुनिश्चित करती है कि किसी संभावित परमाणु हमले के बाद भी भारत जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम रहे।

INS अरिदमन की उन्नत विशेषताएं

INS अरिदमन अपने पिछले जहाज़ों की तुलना में अधिक उन्नत और शक्तिशाली है।

- इसका विस्थापन (displacement) लगभग 7,000 टन है।
- यह अधिक वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (VLS) ट्यूबों से लैस होगा।
- अरिदमन K-15 और K-4 परमाणु-सक्षम मिसाइलों को ले जा सकता है।
- इन K-4 मिसाइलों की मारक क्षमता 3,500 किमी तक है।
- यह परमाणु पनडुब्बी उन्नत परमाणु रिएक्टरों द्वारा संचालित है, जो इसे पानी के नीचे लंबे समय तक टिके रहने में सक्षम बनाते हैं।

ये क्षमताएँ भारतीय पनडुब्बी को कई महीनों तक पानी के भीतर छिपी रहने में सक्षम बनाती हैं, और साथ ही इसे रणनीतिक युद्ध में अत्यंत प्रभावी बनाती हैं।

न्यूक्लियर ट्रायड को समझना: भारत की रणनीतिक बढ़त

भारत की परमाणु शक्ति 'न्यूक्लियर ट्रायड' (परमाणु त्रय) की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें ये शामिल हैं:

- ज़मीन-आधारित मिसाइलें, जिनमें 'अग्नि' श्रृंखला की मिसाइलें प्रमुख हैं।
- हवा-आधारित डिलीवरी प्रणालियाँ, जो लड़ाकू विमानों से लैस हैं।
- समुद्र-आधारित प्लेटफॉर्म, जैसे कि INS अरिदमन जैसी पनडुब्बियाँ।

INS अरिदमन के शामिल होने के बाद, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में अपनी स्थिति और मज़बूत करेगा—जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन—जिनके पास पूर्ण न्यूक्लियर ट्रायड क्षमताएँ मौजूद हैं।

INS अरिदमन बनाम पिछली पनडुब्बियाँ

भारत की पिछली पनडुब्बियों में INS अरिहंत शामिल है, जिसे 2016 में कमीशन किया गया था, और साथ ही INS अरिघाट भी, जिसे दो साल पहले 2024 में कमीशन किया गया था।

INS अरिदमन अपनी क्षमताओं को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यह ज़्यादा मिसाइलें ले जा सकता है, इसकी ऑपरेशनल क्षमता ज़्यादा है, और इसमें बेहतर तकनीक और स्टील्थ (छिपने की क्षमता) भी मौजूद है।

इसके अलावा, भविष्य के लिए चौथी पनडुब्बी भी अभी बन रही है, जो इस बात का संकेत है कि यह विस्तार लगातार जारी है।

भविष्य की योजनाएँ: पनडुब्बी शक्ति का विस्तार

भारत निम्नलिखित उपायों द्वारा अपने पानी के नीचे के बेड़े को मज़बूत करने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है:

- परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियों (SSNs) का विकास
- साथ ही, स्वदेशी पनडुब्बियों के निर्माण की योजनाएँ
- और रूस से एक पनडुब्बी को लीज़ पर लेना, जिसके 2027-28 तक मिलने की उम्मीद है

न्यूक्लियर ट्रायड क्या है?

न्यूक्लियर ट्रायड एक स्ट्रेटेजिक मिलिट्री कैपेबिलिटी है जो देश को ज़मीन, हवा और समुद्र, तीन प्लेटफॉर्म से न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की इजाज़त देती है।

यह न्यूक्लियर फोर्स के बचने और दुश्मन के खिलाफ भरोसेमंद रोकथाम को पक्का करता है।

इसमें पहले हमले के बाद भी जवाब देने की क्षमता भी होती है।

अभी दुनिया के कुछ ही देशों के पास इस तरह की कैपेबिलिटी है और यह स्ट्रेटेजिक फायदा दे रही है।

National Affairs

- गुजरात के कच्छ इलाके में लगभग 10 साल बाद एक ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) का बच्चा पैदा हुआ है, जिससे इस गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति (जिसकी आबादी 150 से भी कम है) के संरक्षण की उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं। इस सफलता के लिए एक नए "जंपस्टार्ट अप्रोच" का इस्तेमाल किया गया, जिसमें एक अंडे को राजस्थान से गुजरात तक 770 किलोमीटर की दूरी 19 घंटों में तय करके पहुँचाया गया। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और भारतीय वन्यजीव संस्थान के तालमेल से किया गया यह काम, अपनी तरह का पहला अंतर-राज्यीय प्रयास है, जिससे इस प्रजाति के प्रजनन की संभावनाएँ और संरक्षण की रणनीतियाँ मज़बूत हुई हैं।
- भारत ने "ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026" लागू किए हैं, जिन्हें 27 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया और जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे; ये नियम 2016 के पुराने ढाँचे की जगह लेंगे। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अगुवाई में बनाए गए ये नियम, कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में छाँटना अनिवार्य बनाते हैं, "सर्कुलर इकॉनमी" (चक्रीय अर्थव्यवस्था) को बढ़ावा देते हैं, और "विस्तारित थोक अपशिष्ट उत्पादक दायित्व" की नई व्यवस्था लागू करते हैं। एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल के ज़रिए कचरा प्रबंधन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखी जाएगी, जबकि उद्योगों के लिए RDF (कचरे से बनने वाले ईंधन) का इस्तेमाल 5% से बढ़ाकर 15% करना अनिवार्य होगा; इससे कचरा प्रबंधन प्रणालियों में स्थिरता और जवाबदेही को और अधिक मज़बूती मिलेगी।
- लोकसभा ने 30 मार्च को इन्सॉल्वेंसी और बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल 2026 पास कर दिया, ताकि इन्सॉल्वेंसी समाधान की प्रक्रिया को तेज़ किया जा सके और लेनदारों के अधिकारों को मज़बूत बनाया जा सके। इस संशोधन के तहत मामलों को 14 दिनों के भीतर स्वीकार करना अनिवार्य है, इसमें लेनदारों द्वारा संचालित एक मॉडल पेश किया गया है, और यह सीमा-पार तथा समूह इन्सॉल्वेंसी के लिए एक ढांचा तैयार करता है। IBC की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, निर्मला सीतारमण ने बताया कि 1,376 मामलों से ₹4.11 लाख करोड़ की वसूली हुई है, जिससे पारदर्शिता, कार्यकुशलता और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा मिला है।
- भारत ने जनगणना 2027 की शुरुआत कर दी है; यह देश की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना है, जिसे रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में मोबाइल ऐप्स और स्वयं-गणना (self-enumeration) का उपयोग किया जा रहा है, जिससे आंकड़ों की सटीकता और पारदर्शिता में सुधार होगा। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी—आवास जनगणना (अप्रैल–सितंबर 2026) और जनसंख्या गणना (फरवरी 2027)। भारत की 16वीं जनगणना और आज़ादी के बाद की 8वीं जनगणना के तौर पर, ₹11,718 करोड़ की यह परियोजना, प्रौद्योगिकी-आधारित शासन और वास्तविक समय में डेटा संग्रह की दिशा में एक बड़ा बदलाव दर्शाती है।

- जन विश्वास संशोधन विधेयक 2026 को लोकसभा ने पास कर दिया है। इसका मकसद छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाना और नियमों को आसान बनाना है। यह विधेयक 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन करता है, जिसमें आपराधिक दंडों की जगह आर्थिक जुर्माने और दीवानी दायित्वों का प्रावधान किया गया है। उम्मीद है कि इससे 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने में आसानी) को बढ़ावा मिलेगा, MSMEs को मदद मिलेगी और कानूनी बोझ कम होगा। यह सुधार भारत के विश्वास-आधारित शासन और व्यापार के लिए ज़्यादा अनुकूल नियामक माहौल बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है।
- लोकसभा ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में संशोधन करके अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी घोषित करने वाला एक प्रस्ताव पास किया है। 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से प्रभावी यह कदम, तीन-राजधानी वाले मॉडल को खत्म करता है और एक ही राजधानी वाली व्यवस्था को फिर से लागू करता है। राजनीतिक आम सहमति से समर्थित यह कदम, प्रशासन और शासन में एक बड़ा बदलाव है, जो राज्य के केंद्रीय केंद्र के रूप में अमरावती की भूमिका को फिर से स्थापित करता है।
- सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) ने क्लास 3 से 8 के लिए AI और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग का एक करिकुलम शुरू किया है, जिसे धर्मेंद्र प्रधान ने विज्ञान भवन में लॉन्च किया। इस पहल का मकसद भविष्य के लिए तैयार कौशल विकसित करना है, जिसमें लॉजिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और डिजिटल साक्षरता पर खास ज़ोर दिया गया है। NEP 2020 और NCF 2023 के अनुरूप, यह करिकुलम एक्टिविटी-आधारित सीखने और AI से शुरुआती परिचय को बढ़ावा देता है। इस करिकुलम में व्यवस्थित मॉड्यूल, शिक्षकों के लिए सहायता और मूल्यांकन शामिल हैं, जो AI शिक्षा में वैश्विक लीडर बनने के भारत के विज़न को मज़बूत करते हैं।
- इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के अनुसार, 2025 में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी बाज़ार बनकर उभरा है। कुल 250.5 GW की क्षमता और सालाना 45 GW की बढ़ोतरी के साथ, इस विकास का मुख्य श्रेय सौर और पवन ऊर्जा को जाता है। अकेले सौर ऊर्जा का योगदान 37 GW रहा, जिससे भारत दुनिया के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हो गया। यह विस्तार ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करता है, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करता है, और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के स्वच्छ ऊर्जा और स्थिरता के लक्ष्यों को समर्थन देता है।
- शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की सिफ़ारिश पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) को 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा दिया है। इससे NCERT को ज़्यादा अकादमिक स्वायत्तता मिलेगी, जिससे वह PhD प्रोग्राम, एडवांस्ड रिसर्च और नए कोर्स शुरू कर सकेगी। इस कदम से शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम विकास और शिक्षक प्रशिक्षण को मज़बूती मिलेगी, जिससे रिसर्च-आधारित सुधारों और अकादमिक नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। यह भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने और आधुनिक शैक्षिक लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक अहम कदम है।
- भारत ने 1 अप्रैल, 2026 से पूरे देश में E20 पेट्रोल लागू कर दिया है, जिसमें स्वच्छ और टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए पेट्रोल के साथ 20% इथेनॉल मिलाया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत शुरू की गई इस पहल का मकसद कार्बन उत्सर्जन को कम करना, तेल आयात में कटौती करना और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना है। जहाँ नए वाहन E20 के अनुकूल हैं, वहीं पुराने वाहनों के माइलेज और परफॉर्मेंस में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। यह पहल भारत के इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम और पर्यावरणीय लक्ष्यों को मज़बूती देती है।
- कपड़ा मंत्रालय ने वैश्विक अनिश्चितता के बीच कपड़ा निर्यातकों को सहायता देने के लिए RoSCTL (राज्य और केंद्रीय करों और लेवी पर छूट) योजना को 30 सितंबर, 2026 तक बढ़ा दिया है। यह योजना छिपे हुए करों की भरपाई करने में मदद करती है, जिससे प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात वृद्धि को बढ़ावा मिलता है। इससे मुख्य रूप से परिधान और तैयार माल के निर्यातकों को लाभ होता है, जिससे इस श्रम-प्रधान क्षेत्र में रोज़गार की स्थिरता सुनिश्चित होती है। लागत के बोझ को कम करके और ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स प्रदान करके, यह कदम वैश्विक कपड़ा बाज़ार में भारत की स्थिति को मज़बूत करता है।
- जितेंद्र सिंह ने खाद्य स्टार्टअप और बायोटेक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान में BIRAC-BioNEST इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया। बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल द्वारा समर्थित, यह केंद्र उन्नत अनुसंधान सुविधाएँ और स्टार्टअप सहायता प्रदान करता है। यह 'लैब-टू-मार्केट' व्यावसायीकरण को बढ़ावा देता है, जिसमें न्यूट्रास्यूटिकल्स, किण्वन, प्रोबायोटिक्स और CRISPR जैसी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह पहल भारत के खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचार-संचालित उद्यमिता को मज़बूत करती है।
- भारत के चुनाव आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले ECINet प्लेटफॉर्म पर 'अपने उम्मीदवारों को जानें (KYC)' फ़ीचर लॉन्च किया है। यह टूल मतदाताओं को उम्मीदवारों की सत्यापित जानकारी, जैसे कि आपराधिक रिकॉर्ड, संपत्ति, शिक्षा और हलफ़नामे (फ़ॉर्म 26) तक पहुँचने में सक्षम बनाता है, जिससे पारदर्शिता और सोच-समझकर मतदान को बढ़ावा मिलता है। जैसे-जैसे असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, यह पहल डिजिटल शासन, जवाबदेही और मतदाता जागरूकता को मज़बूत करती है।

States in the News

- राज्यसभा सदस्य बनने के बाद नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद से इस्तीफ़ा दे दिया, जो राज्य की राजनीति से राष्ट्रीय राजनीति की ओर उनके बदलाव का संकेत है। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने दो दशकों से भी ज़्यादा समय तक काम किया, जिसमें उन्होंने बुनियादी ढाँचे, शासन और कल्याणकारी सुधारों पर खास ध्यान दिया। उनका यह कदम बिहार में नेतृत्व परिवर्तन का संकेत देता है और संसद में सेवा करने की उनकी महत्वाकांक्षा को पूरा करता है। अब वह लालू प्रसाद यादव जैसे उन नेताओं की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने चारों सदनों में सेवा की है।

- अश्विनी भिड़े को बृहन्मुंबई नगर निगम की पहली महिला नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है, जो शासन और लैंगिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। एक वरिष्ठ IAS अधिकारी के तौर पर, वह परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए जानी जाती हैं, खासकर मुंबई मेट्रो लाइन 3 के मामले में। उनका नेतृत्व शहरी बुनियादी ढाँचे और परिवहन नियोजन में उनकी गहरी विशेषज्ञता को दर्शाता है। वह भूषण गगराणी के बाद कार्यभार संभालेंगी और 2030 तक भारत के सबसे समृद्ध नागरिक निकाय का नेतृत्व करेंगी, जिससे नागरिक विकास और प्रशासन की गति तेज़ होगी।

International Affairs

- इंडोनेशिया ने मार्च 2026 में एक कानून लागू किया, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए YouTube, TikTok, Instagram और Facebook जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना बैन कर दिया गया है। इस कदम से लगभग 70 मिलियन यूज़र्स पर असर पड़ा है। इस कदम का मकसद साइबरबुलिंग, नुकसानदेह कंटेंट, स्कैम और डिजिटल लत पर रोक लगाना है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं को दूर किया जा सके। इन प्लेटफॉर्म्स को इस कानून का पालन सुनिश्चित करना होगा, हालांकि VPN के गलत इस्तेमाल और उम्र की पुष्टि (age verification) जैसी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। डिजिटल युग में बच्चों की सुरक्षा की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।
- कोस्टा रिका ने सांपों की पहचान करने वाला एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है, जिसे Universidad de Costa Rica और Clodomiro Picado Institute ने मिलकर बनाया है। यह ऐप 25 ज़हरीली प्रजातियों की पहचान करने में मदद करता है, प्राथमिक उपचार (first aid) के बारे में जानकारी देता है, और रियल-टाइम वैज्ञानिक जानकारी भी उपलब्ध कराता है। इस ऐप को घबराहट, गलत जानकारी और बेवजह होने वाले नुकसान को कम करने के मकसद से डिज़ाइन किया गया है। यह ऐप आम लोगों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को बढ़ावा देता है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों—दोनों को ही सांपों का सामना होने पर बेहतर जागरूकता और तुरंत मदद मिल पाती है।
- मिन आंग ह्लाइंग म्यांमार के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें संसद में 584 में से 429 वोट मिले, जिससे उन्हें बहुमत हासिल हो गया। मौजूदा अस्थिरता के बीच यह एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है। यह चुनाव म्यांमार की राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली (इलेक्टोरल कॉलेज) के ज़रिए हुआ, जिसमें सांसद और सेना के प्रतिनिधि शामिल थे। उनकी जीत से दुनिया भर में लोकतंत्र और शासन व्यवस्था को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं, जो देश की राजनीतिक व्यवस्था में सेना के लगातार बढ़ते दखल को दिखाती हैं।
- उचराल न्याम-ओसोर को मंगोलिया का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच उन्हें संसद के 107 में से 88 वोट मिले। उन्होंने ज़ंदानशतार गोम्बोझाव की जगह ली है, जिन्होंने कानूनी गतिरोध और अंदरूनी झगड़ों की वजह से इस्तीफ़ा दे दिया था। एक युवा और सुधारवादी नेता के तौर पर, उचराल का मकसद शासन व्यवस्था को स्थिर करना और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाना है। हालाँकि, मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता और 2027 में होने वाले चुनाव मंगोलिया के राजनीतिक माहौल के लिए चुनौतियाँ खड़ी करते रह सकते हैं।
- एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट के मुताबिक, भारत में ट्रैक एंड फील्ड खेलों में डोपिंग की वजह से सबसे ज़्यादा खिलाड़ियों पर बैन लगा है। कुल 148 खिलाड़ियों पर बैन लगाया गया है, और इस मामले में भारत ने केन्या और रूस को भी पीछे छोड़ दिया है। ये आँकड़े खेलों की ईमानदारी और डोपिंग-रोधी नियमों को लागू करने के तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी की रिपोर्टों में डोपिंग के मामलों की ऊँची दर को उजागर किया गया है, जिससे यह साफ़ होता है कि भारतीय एथलेटिक्स में सख़्त नियमों, जागरूकता और सुधारों की तुरंत ज़रूरत है।
- न्यूकैसल बीमारी यूरोप के कई हिस्सों में फैल रही है, जिससे पोल्ट्री किसानों और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए चिंताएँ बढ़ गई हैं। एवियन पैरामिक्सोवायरस के कारण होने वाली यह बीमारी पक्षियों को प्रभावित करने वाली एक अत्यधिक संक्रामक बीमारी है, जिसके गंभीर रूप से फैलने पर पक्षियों की बड़ी संख्या में मौत हो सकती है। यह बीमारी हवा में मौजूद बूंदों, सीधे संपर्क और दूषित चीज़ों के ज़रिए फैलती है। इसके लक्षणों में सांस लेने में दिक्कत, तंत्रिका संबंधी विकार और अंडों के उत्पादन में कमी शामिल हैं। यूनाइटेड किंगडम सहित विभिन्न देशों के अधिकारी, इस बीमारी के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए निगरानी और जैव-सुरक्षा उपायों को मज़बूत कर रहे हैं।

Agreements/MoUs Signed

- भारत ने आयुर्वेद रिसर्च को 13 भाषाओं में उपलब्ध कराने के लिए AI-आधारित एक पहल शुरू की है। इस पहल का नेतृत्व आयुष मंत्रालय के तहत 'सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज' (CCRAS) कर रहा है, जिसने 'अनुवादिनी AI' के साथ साझेदारी की है। इस कदम का मकसद भाषाओं की रुकावटों को दूर करना, सबूतों पर आधारित आयुर्वेद के बारे में जागरूकता बढ़ाना और गलत जानकारियों को कम करना है। AI वैज्ञानिक प्रकाशनों का अनुवाद करेगा ताकि वे ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुँच सकें; इसके लिए CCRAS के 25 राज्यों में फैले नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यह पक्का हो सके कि पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ा ज्ञान ज़मीनी स्तर के समुदायों तक असरदार तरीके से पहुँच पाए।
- मेघालय सरकार ने दूर-दराज के इलाकों में तेज़ रफ़्तार वाला सैटेलाइट इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए 'स्टारलिंक इंडिया' के साथ एक MoU पर दस्तखत किए हैं। मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा द्वारा घोषित इस पहल का मकसद, पृथ्वी की निचली कक्षा में मौजूद सैटेलाइट्स का इस्तेमाल करके 'डिजिटल खाई' को पाटना है। उम्मीद है कि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, ई-गवर्नेंस और ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा, और भौगोलिक रूप से मुश्किल इलाकों में डिजिटल बुनियादी ढाँचा और कनेक्टिविटी मज़बूत होगी।

Books and Authors

- सुधा मूर्ति की किताब 'Tides of Time: Bharat's History through Murals in Parliament' का विमोचन सी. पी. राधाकृष्णन ने किया। यह किताब संसद में बने 124 भित्ति चित्रों (म्यूरल्स) के ज़रिए भारत की सभ्यतागत यात्रा को दर्शाती है। यह किताब कला, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का एक सुंदर मेल है, जिसमें सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक के कालखंडों को शामिल किया गया है। यह भारत को 'लोकतंत्र की जननी' के रूप में प्रस्तुत करती है और इतिहास को एक दिलचस्प, दृश्य-आधारित शैली में पेश करती है, जिससे यह हर पीढ़ी के पाठकों के लिए सुलभ और ज्ञानवर्धक बन जाती है।

Banking/Economy/Business News

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों की नेट ओपन फ़ॉरेक्स पोज़िशन (NOP) की सीमा 10 अप्रैल, 2026 से हर दिन $100 मिलियन तय कर दी है। इसके साथ ही, पूंजी-आधारित सीमाओं की जगह एक समान सीमा लागू कर दी गई है। चूंकि बैंकों के पास $30–40 बिलियन की फ़ॉरेक्स पोज़िशन हैं, इसलिए बड़े पैमाने पर पोज़िशन कम किए जाने की उम्मीद है। इस कदम का मकसद सिस्टम से जुड़े जोखिम को कम करना, सट्टेबाज़ी वाली ट्रेडिंग पर रोक लगाना और रुपये को स्थिर करना है। हालांकि, पोज़िशन को तेज़ी से बंद करने की वजह से इससे थोड़े समय के लिए बाज़ार में उतार-चढ़ाव, नकदी की कमी और मार्क-टू-मार्केट (MTM) नुकसान हो सकता है।
- कंट्रोलर जनरल ऑफ़ अकाउंट्स के मुताबिक, वित्त वर्ष 26 के अप्रैल से फरवरी के दौरान भारत का राजकोषीय घाटा कम होकर ₹12.5 ट्रिलियन रह गया। यह पिछले साल के मुकाबले 7% की गिरावट है और यह संशोधित अनुमानों का 80.4% है। मज़बूत कर (6% की बढ़ोतरी) और गैर-कर राजस्व (18% की बढ़ोतरी), साथ ही स्थिर पूंजीगत व्यय (₹9.3 ट्रिलियन) ने राजकोषीय स्थिरता को बनाए रखने में मदद की। घाटे का अनुमान GDP का 4.5% लगाया गया है। हालांकि, वैश्विक जोखिम, खासकर भू-राजनीतिक तनावों की वजह से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, वित्त वर्ष 27 में भारत के राजकोषीय परिदृश्य पर असर डाल सकती हैं।
- ICRA के अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, पश्चिम एशिया में तनाव और वैश्विक सप्लाई में रुकावटों के कारण, भारत की GDP ग्रोथ मौजूदा वित्त वर्ष के 7.6% से घटकर FY27 में 6.5% हो सकती है। ज़्यादा एनर्जी लागत से महंगाई बढ़ सकती है, उपभोक्ता खर्च कम हो सकता है और उत्पादन खर्च बढ़ सकता है। इसके अलावा, चालू खाता घाटा बढ़कर GDP का 1.7% होने का अनुमान है, जो बढ़ते आयात बिलों और बाहरी आर्थिक दबावों को दर्शाता है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, फरवरी 2026 में भारत का औद्योगिक उत्पादन 5.2% बढ़ा। इसकी मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग में हुई 6% की ग्रोथ थी, जो IIP का मुख्य आधार बनी हुई है। कैपिटल गुड्स में 12.5% की ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई, जो बढ़ते निवेश और औद्योगिक भरोसे का संकेत है। हालाँकि, बिजली (2.3%) और माइनिंग (3.1%) क्षेत्रों में ग्रोथ की रफ़्तार धीमी रही। बेहतर होती गति के बावजूद, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक अनिश्चितताओं जैसी चुनौतियाँ लगातार औद्योगिक विस्तार और समग्र आर्थिक परिदृश्य पर असर डाल सकती हैं।
- गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क के अनुसार, मार्च 2026 में भारत का GST कलेक्शन ₹1.78 लाख करोड़ तक पहुँच गया, जो मज़बूत आर्थिक गतिविधि और बेहतर अनुपालन को दर्शाता है। कुल राजस्व ₹2 लाख करोड़ तक पहुँच गया, जिसका मुख्य कारण आयात में 17.8% की वृद्धि और घरेलू माँग में स्थिरता थी। रिफंड बढ़कर ₹0.22 लाख करोड़ हो गया, जिससे व्यवसायों की लिक्विडिटी (नकदी उपलब्धता) में सुधार हुआ। महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे राज्यों ने कलेक्शन में बढ़त बनाई, जो व्यापक विकास का संकेत है; वहीं, कुशल टैक्स प्रणालियों और डिजिटल ट्रैकिंग ने राजस्व के रुझानों को और मज़बूत किया।
- नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया के अनुसार, मार्च 2026 में भारत ने UPI लेन-देन में अब तक का सबसे ऊँचा स्तर दर्ज किया। इस दौरान कुल 22.64 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य ₹29.52 ट्रिलियन रहा। यह उछाल डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाए जाने, बेहतर बुनियादी ढाँचे और उन्नत सुरक्षा प्रणालियों को दर्शाता है। वार्षिक आँकड़ों में भी ज़बरदस्त वृद्धि देखने को मिली, जो ग्रामीण क्षेत्रों में UPI के बढ़ते विस्तार को उजागर करती है। दैनिक लेन-देन में वृद्धि और व्यापक उपयोग के साथ, UPI भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को लगातार मज़बूत कर रहा है और रियल-टाइम भुगतान के क्षेत्र में भारत के वैश्विक नेतृत्व को और सुदृढ़ बना रहा है।
- भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC), भारतीय साधारण बीमा निगम (GIC) और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 'घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बीमाकर्ता' (D-SIIs) के रूप में बरकरार रखा है। इन कंपनियों को "इतना बड़ा कि विफल नहीं हो सकता" (Too Big To Fail) माना जाता है; ये वित्तीय स्थिरता और जोखिम कवरेज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनका यह दर्जा सख्त विनियामक निगरानी, मजबूत शासन और सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन सुनिश्चित करता है, क्योंकि इनमें किसी भी तरह की बाधा भारत की अर्थव्यवस्था और बीमा क्षेत्र की स्थिरता पर गहरा असर डाल सकती है।
- मार्च 2026 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार $30.5 बिलियन घटकर $688.05 बिलियन रह गया। इसकी मुख्य वजह वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों के बीच रुपये को स्थिर करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक का हस्तक्षेप था। इस गिरावट के पीछे मुद्रा में उतार-चढ़ाव, पूंजी का बहिर्प्रवाह और डॉलर की मांग जैसे कारक रहे। इस गिरावट के बावजूद, भारत अपनी बाहरी स्थिति को काफी मजबूत बनाए हुए है, जिसके पास लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त भंडार (import cover) मौजूद है; यह स्थिति आर्थिक स्थिरता और वैश्विक झटकों का सामना करने की क्षमता सुनिश्चित करती है।

Adda247
LIVE CLASSES
Online LIVE Classes for
SSC, Banking, Railways
and Other Govt Exams
Live & Recorded Classes
PDF Notes & Study Material
Mock Tests & Practice Questions
Doubt Solving Sessions
Expert Faculty with Interactive Classes
Full Exam Syllabus Coverage + Mock Tests
Courses Available in Hindi, English & Regional Languages
Get Started Now

Appointments/Resignations

- डॉ. थॉमस पुकाडियिल को BRIC-नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। एक जाने-माने सेल बायोलॉजिस्ट और IISER पुणे के पूर्व प्रोफेसर, वे मेंब्रेन बायोलॉजी पर अपने शोध के लिए जाने जाते हैं और शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (2018) से सम्मानित हैं। वे अंतरिम डायरेक्टर मनीषा इनामदार की जगह लेंगे, और उनसे भारत में बायोमेडिकल शोध, नवाचार और वैश्विक वैज्ञानिक सहयोग को मज़बूत करने की उम्मीद है।
- वरिष्ठ IAS अधिकारी वीर विक्रम यादव को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) का नया डायरेक्टर जनरल नियुक्त किया गया है; उन्होंने फ़ैज़ अहमद किदवई की जगह ली है। यह कदम विमानन सुरक्षा से जुड़ी बढ़ती चिंताओं, परिचालन में रुकावटों और नियामक चुनौतियों के बीच उठाया गया है। यादव से सुरक्षा ढांचों को मज़बूत करने, कर्मचारियों की कमी को दूर करने और FDTL मानदंडों का पालन सुनिश्चित करने की उम्मीद है। यह नियुक्ति एक व्यापक नौकरशाही फेरबदल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत के तेज़ी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में शासन-प्रशासन को बेहतर बनाना है।
- भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन IndiGo ने विमानन क्षेत्र के अनुभवी दिग्गज विली वॉल्श को अपना नया CEO नियुक्त किया है; यह एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पूर्व डायरेक्टर जनरल के तौर पर, वे अपने साथ विमानन क्षेत्र का मज़बूत वैश्विक अनुभव लेकर आए हैं। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब IndiGo वैश्विक विस्तार का लक्ष्य बना रही है, लंबी दूरी के विमानों को अपने बेड़े में शामिल कर रही है, और परिचालन से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है; यह घटनाक्रम वैश्विक विमानन क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका और एयरलाइन की एक विश्व-स्तरीय वाहक बनने की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।
- भारत सरकार ने भारत की पहली डिजिटल जनगणना में लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सुदर्शन पटनायक को जनगणना 2027 का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। पद्म श्री से सम्मानित, वे कला के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए जाने जाते हैं। इस जनगणना में मोबाइल-आधारित डेटा संग्रह और एक स्व-गणना पोर्टल की सुविधा होगी। दो चरणों में आयोजित होने वाली यह जनगणना—हाउसलिस्टिंग (2026) और जनसंख्या गणना (2027)—का उद्देश्य पूरे देश में सटीकता, दक्षता और सार्वजनिक भागीदारी में सुधार करना है।
- चंचल कुमार ने 1 अप्रैल, 2026 को संजय जाजू का स्थान लेते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव का पदभार ग्रहण किया। 1992 बैच के IAS अधिकारी, वे बुनियादी ढांचे और शासन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखते हैं। यह मंत्रालय मीडिया विनियमन, डिजिटल संचार और दूरदर्शन तथा ऑल इंडिया रेडियो जैसे सार्वजनिक प्रसारकों की देखरेख करता है। उनकी नियुक्ति से नीति कार्यान्वयन, डिजिटल मीडिया शासन और सरकारी संचार को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत के तेजी से विकसित हो रहे मीडिया और प्रसारण क्षेत्र को एक नई दिशा मिलेगी।

Defence News

- अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपनी ग्वालियर फ़ैसिलिटी से भारतीय सेना को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन्स (7.62 mm) का पहला बैच सौंपा। यह 'मेक इन इंडिया' के तहत मिले 40,000 यूनिट के ऑर्डर का हिस्सा है। इज़राइल वेपन इंडस्ट्रीज़ के साथ मिलकर बनाई गई इस LMG (Negev NG7) का वज़न 7.6 kg है, इसमें ओपन बोल्ट सिस्टम का इस्तेमाल होता है, और इसे तय समय से 11 महीने पहले ही डिलीवर कर दिया गया। यह इन्फ़ैंट्री की मारक क्षमता, गतिशीलता और सटीकता को बढ़ाती है, जिससे भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और युद्ध की तैयारी को मज़बूती मिलती है।
- भारतीय नौसेना ने कोच्चि में दक्षिणी नौसेना कमान के तहत मैरीटाइम वॉरफ़ेयर सेंटर में IONS मैरीटाइम एक्सरसाइज़ (IMEX) TTX 2026 की मेज़बानी की। इसमें फ़्रांस, इंडोनेशिया, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया। इंडियन ओशन नेवल सिम्पोज़ियम के तहत आयोजित इस टेबलटॉप एक्सरसाइज़ (TTX) का मुख्य फ़ोकस समुद्री डकैती और समुद्री आतंकवाद जैसे गैर-पारंपरिक ख़तरों पर था। इसने फ़ैसले लेने की क्षमता, तालमेल और सहयोग को बेहतर बनाया, और भारत के नेतृत्व को उजागर किया, क्योंकि भारत IONS की अध्यक्षता (2026–28) की तैयारी कर रहा है।
- भारतीय वायु सेना अपने MiG-29 जेट्स को ASRAAM (एडवांस्ड शॉर्ट रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल) से लैस करेगी। ये मिसाइलें पुरानी R-73 मिसाइलों (10–15 km रेंज) की जगह लेंगी। MBDA द्वारा विकसित ASRAAM की रेंज 25+ km है, इसकी गति Mach 3 है, इसमें इन्फ्रारेड गाइडेंस और 'फ़ायर-एंड-फ़ॉरगेट' (दागो और भूल जाओ) की क्षमता है, जिससे डॉगफ़ाइट (हवाई युद्ध) का प्रदर्शन बेहतर होता है। इसे LCA Tejas और Jaguar के साथ इंटीग्रेट किया गया है, और BDL के सहयोग से भारत में ही असेंबल किया गया है। यह हवाई युद्ध की क्षमता, सटीकता और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है।
- भारतीय नौसेना ने 30 मार्च, 2026 को स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट INS दुनागिरी को शामिल किया। इसे 'प्रोजेक्ट 17A' के तहत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा बनाया गया है। इसमें 75% स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल हुआ है, साथ ही इसमें उन्नत स्टील्थ, ऑटोमेशन और ब्रह्मोस मिसाइल, MF-STAR रडार और MRSAM जैसी प्रणालियाँ मौजूद हैं। ये इसकी बहु-भूमिका वाली युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाती हैं। 'नीलगिरी-श्रेणी' का पाँचवाँ फ्रिगेट होने के नाते, यह भारत की नौसैनिक शक्ति को मज़बूत करता है और रक्षा निर्माण के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को भी बढ़ावा देता है।
- भारतीय नौसेना ने INS संशोधक को अपने बेड़े में शामिल किया। यह चार जहाज़ों वाले एक प्रोजेक्ट का अंतिम जहाज़ है, जिसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग करके बनाया है। 30 मार्च, 2026 को नौसेना को सौंपा गया यह जहाज़, AUVs, ROVs और सोनार जैसी उन्नत प्रणालियों की मदद से हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण, समुद्र तल की मैपिंग और नौवहन सुरक्षा को बेहतर बनाता है। यह जहाज़ समुद्री अनुसंधान, तटीय नियोजन और रक्षा क्षमताओं को मज़बूत करता है, और 'आत्मनिर्भर भारत' के साथ-साथ आधुनिक नौसैनिक अभियानों में भी सहायक सिद्ध होता है।

- लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने 'सेना उप-प्रमुख' (Vice Chief of the Army Staff) का कार्यभार संभाल लिया है। उनके पास लगभग चार दशकों का सैन्य अनुभव है। 'राष्ट्रीय रक्षा अकादमी' (NDA) के पूर्व छात्र रहे लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने रेगिस्तानी युद्ध, जम्मू-कश्मीर और अंगोला में संयुक्त राष्ट्र के मिशन जैसे अंतरराष्ट्रीय अभियानों में कई महत्वपूर्ण कमान और रणनीतिक भूमिकाएँ निभाई हैं। उनकी नियुक्ति, सैन्य आधुनिकीकरण, परिचालन तत्परता और उच्चतम स्तर पर रणनीतिक नेतृत्व पर भारत के बढ़ते ज़ोर को और अधिक मज़बूती प्रदान करती है।
- भारतीय सेना ने प्रमुख ऑपरेशनल फॉर्मेशन्स के लिए नए कमांडरों की नियुक्ति की है। लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन दक्षिणी कमान का नेतृत्व करेंगे, लेफ्टिनेंट जनरल VMB कृष्णन पूर्वी कमान के प्रमुख होंगे, और लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र पाल सिंह पश्चिमी कमान की कमान संभालेंगे। इन नेतृत्व परिवर्तनों का उद्देश्य ऑपरेशनल तत्परता, रणनीतिक तैयारी और तकनीकी एकीकरण को बढ़ावा देना है। ये तीनों अधिकारी उग्रवाद-रोधी अभियानों, ऊंचे पहाड़ी इलाकों में युद्ध और लॉजिस्टिक्स में व्यापक अनुभव रखते हैं, जिससे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूती मिलेगी।
- भारतीय नौसेना को INS मालवन मिला है, जो अगली पीढ़ी का एक पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत है। इसे कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया गया है और इसमें 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। उथले पानी में ऑपरेशन के लिए डिज़ाइन किए गए इस युद्धपोत में पानी के नीचे के खतरों का मुकाबला करने के लिए उन्नत सोनार, टॉरपीडो और निगरानी प्रणालियाँ मौजूद हैं। आठ ASW युद्धपोतों के बेड़े का हिस्सा होने के नाते, यह पुराने हो चुके जहाजों की जगह लेगा और तटीय रक्षा, समुद्री सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ाएगा, जिससे भारत की नौसैनिक क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी।
- भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में ₹38,424 करोड़ का रिकॉर्ड रक्षा निर्यात हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 62.66% की ज़बरदस्त वृद्धि दर्शाता है। यह उछाल आत्मनिर्भरता और वैश्विक रक्षा निर्माण में नेतृत्व की ओर भारत के बढ़ते कदम को दिखाता है। DPSU ने निर्यात में आधे से ज़्यादा का योगदान दिया और उनमें काफ़ी वृद्धि हुई, जबकि निजी क्षेत्र ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। यह उपलब्धि भारत के रक्षा आयातक से एक प्रमुख निर्यातक बनने के बदलाव को उजागर करती है, जो सुधारों और बढ़ती वैश्विक मांग से प्रेरित है।
- INS तारागिरी को विशाखापत्तनम में राजनाथ सिंह की मौजूदगी में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा प्रोजेक्ट 17A के तहत बनाया गया यह एक 'स्टेल्थ फ्रिगेट' है, जिसमें रडार से बचने का उन्नत डिज़ाइन और बहु-भूमिका वाली युद्धक क्षमता है। आधुनिक मिसाइलों, पनडुब्बी-रोधी प्रणालियों और CODOG प्रोपल्शन से लैस यह जहाज़ भारत की समुद्री शक्ति, आत्मनिर्भरता और नौसैनिक ताक़त को और मज़बूत करता है।

Awards and Recognitions

- इंटरनेशनल बुकर प्राइज़ 2026 की शॉर्टलिस्ट में छह वैश्विक उपन्यास शामिल हैं, जो पहचान, निर्वासन और मानवीय लचीलेपन जैसे विषयों को दर्शाते हैं। यह पुरस्कार UK और आयरलैंड में प्रकाशित अनुवादित फिक्शन को सम्मानित करता है। जज नताशा ब्राउन के अनुसार, चुने गए ये काम राजनीतिक अशांति, सांस्कृतिक जुड़ाव और अस्तित्व की कहानियों के माध्यम से "प्रखर मानवता" को दर्शाते हैं। यह शॉर्टलिस्ट विविध आवाज़ों और इतिहासों को उजागर करती है, जिससे वैश्विक साहित्य और अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में इस पुरस्कार की भूमिका और मज़बूत होती है।

Summits and Conferences News

- India Pharma 2026, जिसका यह 9वां संस्करण है, 13-14 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा FICCI और इंडियन फार्मास्यूटिकल अलायंस के सहयोग से किया जा रहा है। यह सम्मेलन "Discover in India" (भारत में खोज) की थीम के तहत दवाओं में नवाचार, बायोसिमिलर और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में भारत की भूमिका को और मज़बूत करना है, साथ ही वैश्विक स्तर पर अनुसंधान, सहयोग और उन्नत स्वास्थ्य समाधानों को बढ़ावा देना है।
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 30 मार्च, 2026 को याउंडे में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में भारत का नेतृत्व पीयूष गोयल ने किया, जिन्होंने निष्पक्ष व्यापार, खाद्य सुरक्षा और समावेशी सुधारों पर विशेष ज़ोर दिया। प्रमुख चर्चाओं में मत्स्य पालन सब्सिडी, ई-कॉमर्स और कृषि जैसे विषय शामिल थे, हालाँकि इन पर सीमित सहमति ही बन पाई। भारत ने आम सहमति पर आधारित निर्णयों, छोटे मछुआरों के हितों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग से जुड़े मुद्दों के समाधान की वकालत की, और एक संतुलित वैश्विक व्यापार प्रणाली की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

Sports News

- सुनील नरेन IPL के इतिहास में सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 190 मैच खेलकर कायरन पोलार्ड (189) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह उपलब्धि उन्होंने 29 मार्च, 2026 को वानखेड़े स्टेडियम में हासिल की। 2012 से लगातार कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए (₹3.4 करोड़ में साइन किए गए), उन्होंने 192 विकेट लिए हैं और 1,780 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक भी शामिल है। इस तरह उन्होंने खुद को एक अहम ऑलराउंडर और मैच-विनर के तौर पर स्थापित किया है।
- जम्मू-कश्मीर की 19 साल की तीरंदाज़ शीतल देवी को वर्ल्ड आर्चरी ने 'पैरा आर्चर ऑफ़ द ईयर 2025' चुना है। वह वर्ल्ड पैरा आर्चरी चैंपियनशिप (ग्वांगजू) में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली बिना हाथों वाली महिला तीरंदाज़ बनीं। उन्होंने इस चैंपियनशिप में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज़, तीनों मेडल जीते। इसके अलावा, उन्होंने पेरिस पैरालंपिक्स में ब्रॉन्ज़ मेडल और एशियन पैरा गेम्स 2022 व एशियन चैंपियनशिप 2023 में सिल्वर मेडल भी जीते, जिससे उनकी ज़बरदस्त प्रतिभा दुनिया के सामने आई।

- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का समापन हो गया, जिसमें कर्नाटक 23 स्वर्ण पदक जीतकर समग्र चैंपियन बना। ओडिशा और झारखंड क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ नौवें स्थान पर रहा। इस आयोजन ने जनजातीय खेल प्रतिभा और समावेशिता को उजागर किया, जिसमें तैराकी, एथलेटिक्स और कुश्ती में शानदार प्रदर्शन देखने को मिले; यह भारत में जमीनी स्तर के खेलों और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Schemes and Committees News

- रेल मंत्रालय द्वारा शुरू की गई 'अमृत भारत स्टेशन योजना' का उद्देश्य पूरे भारत में 1,338 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ फिर से विकसित करना है। दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों में नई दिल्ली, हज़रत निज़ामुद्दीन और आनंद विहार शामिल हैं। यह योजना मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, डिजिटल सिस्टम, लिफ्ट, एस्केलेटर और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की शुरुआत करती है। यह 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' के तहत स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा देती है, जिससे यात्रियों का अनुभव, शहरी एकीकरण और टिकाऊ रेलवे बुनियादी ढांचा बेहतर होता है।
- दिल्ली सरकार ने लड़कियों की शिक्षा और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'लखपति बिटिया योजना' शुरू की है, जिसने 'लाडली योजना' की जगह ली है। यह योजना जन्म से लेकर ग्रेजुएशन तक, अलग-अलग चरणों में लाभ देते हुए ₹1.2 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसका उद्देश्य बाल विवाह को रोकना, उच्च शिक्षा सुनिश्चित करना और आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों को सहायता देना है। पात्र लड़कियां दिल्ली की निवासी होनी चाहिए और उनके परिवार की आय ₹1.2 लाख से कम होनी चाहिए। यह पहल महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करती है और व्यवस्थित सहायता के माध्यम से दीर्घकालिक वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है।

Science and Technology News

- NASA का Artemis II मिशन, जो 1 अप्रैल 2026 के लिए निर्धारित है, Apollo मिशनों के बाद पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन होगा। SLS रॉकेट और Orion अंतरिक्ष यान का उपयोग करके, अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की परिक्रमा करेंगे और 'फ्री-रिटर्न ट्रेजेक्टरी' (मुक्त-वापसी प्रक्षेपवक्र) के माध्यम से लौटेंगे। यह मिशन जीवन-समर्थन (life-support), नेविगेशन और गहरे-अंतरिक्ष (deep-space) प्रणालियों का परीक्षण करेगा, जिससे Artemis III की चंद्र लैंडिंग और मंगल ग्रह पर भविष्य के मानव मिशनों के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।
- आंध्र प्रदेश साइंस सिटी ने 30 मार्च 2026 को CSIR-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (CSIR-NISCPR) के साथ 5 साल के MoU पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य विज्ञान के प्रचार-प्रसार, STEM शिक्षा और साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण को बढ़ावा देना है। यह गैर-वित्तीय सहयोग विज्ञान के लोकव्यापीकरण, अनुसंधान और नवाचार नीति पर केंद्रित है, जिसका लक्ष्य विज्ञान और समाज के बीच की खाई को पाटना है। यह वैज्ञानिक ज्ञान के बेहतर संचार के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जन जागरूकता को बढ़ाएगा और सूचित शासन (informed governance) को समर्थन प्रदान करेगा।
- भारत ने 'जैविक विविधता अधिनियम, 2002' के तहत, 'समुद्री जीवित संसाधन और पारिस्थितिकी केंद्र' (Centre for Marine Living Resources and Ecology) में स्थित 'भवसागर केंद्र' को गहरे समुद्र के जीवों के लिए 'राष्ट्रीय भंडार' (National Repository) के रूप में नामित किया है। कोच्चि में स्थित यह केंद्र 3,500 से अधिक समुद्री नमूनों को संरक्षित करेगा, गहरे समुद्र पर होने वाले शोध को सहायता देगा और समुद्री जैव विविधता की रक्षा करेगा। यह पहल भारत की 'ब्लू इकोनॉमी' (नीली अर्थव्यवस्था) को मज़बूत करती है, वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देती है, और समुद्र की स्थिरता से जुड़े वैश्विक प्रयासों के अनुरूप है; जिससे समुद्री संरक्षण और अन्वेषण के क्षेत्र में देश की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।
- मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की है कि 14 अप्रैल, 2026 को अमरावती में भारत के पहले 'क्वांटम कंप्यूटर' का शुभारंभ किया जाएगा। 'अमरावती क्वांटम वैली परियोजना' और 'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन' के अंतर्गत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य नवाचार, स्टार्टअप्स और उन्नत शोध कार्यों को बढ़ावा देना है। क्वांटम कंप्यूटिंग की मदद से AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), क्रिप्टोग्राफी और नई दवाओं की खोज जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलताएँ हासिल करना संभव हो सकेगा; जिससे भारत की आत्मनिर्भरता और भी सुदृढ़ होगी और वह अगली पीढ़ी की तकनीकों के क्षेत्र में एक वैश्विक अग्रणी देश के रूप में अपनी पहचान बना पाएगा।

Important Days News

- महावीर जयंती 2026, 31 मार्च को मनाई जाएगी, जो भगवान महावीर के जन्म का प्रतीक है। 599 ईसा पूर्व में कुंडग्राम में जन्मे, उन्होंने 12 वर्षों की तपस्या के बाद 'केवल ज्ञान' प्राप्त किया और अहिंसा, सत्य तथा करुणा का उपदेश दिया, जिसने जैन धर्म की नींव रखी। यह त्योहार नैतिक जीवन, अहिंसा और आत्म-अनुशासन पर ज़ोर देता है, जो आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। इस अवसर पर प्रार्थनाएँ, रथ यात्राएँ, उपवास, दान और धर्मग्रंथों का पाठ किया जाता है; वैशाली, पालीताना और श्रवणबेलगोला में विशेष आयोजन होते हैं।
- उत्कल दिवस 1 अप्रैल, 2026 को मनाया जाएगा, जो 1936 में भारत के पहले भाषाई राज्य के रूप में ओडिशा के गठन का प्रतीक है। यह दिन मधुसूदन दास और गोपबंधु दास जैसे उन नेताओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने ओडिया भाषा और पहचान को संरक्षित करने के लिए संघर्ष किया। प्राचीन कलिंग की विरासत से जुड़ा यह दिवस, विभिन्न कार्यक्रमों, धरोहर संबंधी आयोजनों और जनभागीदारी के माध्यम से सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मनाता है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक ने 1 अप्रैल, 2026 को अपना स्थापना दिवस मनाया, जिसमें 1935 से अब तक मौद्रिक नीति, मुद्रास्फीति नियंत्रण और मुद्रा प्रबंधन में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। RBI ने भुगतान सुरक्षा बढ़ाने और धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए ई-चेक और MuleHunter.AI जैसी डिजिटल पहलें शुरू कीं। वैश्विक तनावों के बीच, यह रुपये को स्थिर करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है, जिससे भारत की बैंकिंग और आर्थिक प्रणाली की रीढ़ के रूप में इसका महत्व और भी पुख्ता होता है।

- विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस 2026, 2 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति समझ, स्वीकृति और समावेशन को बढ़ावा देना है। 2007 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू किया गया यह दिवस, शीघ्र निदान, भ्रांतियों को दूर करने और समान अवसरों पर केंद्रित है। 2026 की थीम, "ऑटिज़्म और मानवता – हर जीवन का महत्व है," गरिमा और समावेशन पर ज़ोर देती है, और समाज को ऑटिज़्म से पीड़ित व्यक्तियों का समर्थन करने तथा एक अधिक समावेशी और दयालु दुनिया बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- गुड फ्राइडे 2026, 3 अप्रैल को पड़ रहा है और यह ईसाई धर्म के सबसे पवित्र दिनों में से एक है, जो यीशु मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की घटना की याद दिलाता है। पवित्र सप्ताह (Holy Week) के दौरान मनाया जाने वाला यह दिन बलिदान, मुक्ति और क्षमा का प्रतीक है। दुनिया भर के ईसाई इस दिन को प्रार्थना, उपवास और चिंतन के साथ मनाते हैं। इसमें प्रयुक्त शब्द "Good" (अच्छा) इसके पवित्र और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यीशु का बलिदान आशा और मोक्ष लेकर आया। यह दुनिया भर में शोक और भक्ति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन बना हुआ है।

Obituaries News

- रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया, जिससे भारत के टेक्सटाइल उद्योग में एक युग का अंत हो गया। 4 अक्टूबर, 1938 को जन्मे, उन्होंने 1980 से रेमंड का नेतृत्व किया और इसे एक ग्लोबल प्रीमियम फैब्रिक ब्रांड में बदल दिया। पद्म भूषण से सम्मानित (2006) होने के साथ-साथ, वे एक रिकॉर्ड बनाने वाले एविएटर भी थे। उन्होंने 2000 में गौतम सिंघानिया को नेतृत्व सौंपा, और बाद में 2024 में हुए विवादों को सुलझाया।
- जाने-माने बंगाली अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी का 29 मार्च, 2026 को 43 साल की उम्र में, दीघा के पास तलसारी में एक टीवी शूट के दौरान डूबने से हुई एक दुखद दुर्घटना में निधन हो गया। वे शूटिंग के लिए समुद्र में उतरे थे, लेकिन वापस नहीं लौट पाए और बाद में अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ममता बनर्जी ने दुख व्यक्त करते हुए उन्हें एक "विशिष्ट अभिनेता" बताया। ज़ुल्फ़िकार, ना हन्यते और ब्योमकेश फिरे एलो जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले उनके निधन से पूरे उद्योग को गहरा सदमा लगा है।
- पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का 30 मार्च, 2026 को 67 साल की उम्र में निधन हो गया, जिससे एक महत्वपूर्ण राजनीतिक करियर का अंत हो गया। उन्होंने सूरीनाम के राष्ट्रपति (2020–2025) के रूप में कार्य किया और आर्थिक सुधारों, IMF-समर्थित स्थिरीकरण और सुशासन के लिए जाने जाते थे। पूर्व पुलिस प्रमुख और न्याय मंत्री के रूप में, उन्होंने भारत-सूरीनाम संबंधों को मजबूत किया। नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त करते हुए, वैश्विक स्तर पर और प्रवासी भारतीयों के लिए उनके योगदान को रेखांकित किया।

Miscellaneous News

- राजा रवि वर्मा की कृति 'यशोदा और कृष्ण' भारत की सबसे महंगी कलाकृति बन गई है, जो मुंबई में हुई एक नीलामी में ₹167.20 करोड़ में बिकी। यशोदा और कृष्ण के एक पौराणिक दृश्य को दर्शाने वाली इस उत्कृष्ट कृति को साइरस एस. पूनावाला ने खरीदा। यह रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री भारतीय कला की वैश्विक पहचान और बढ़ते मूल्य को उजागर करती है, साथ ही एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए भारत की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करती है।

Static Takeaways

श्रेणी	संस्था / इकाई	मुख्य विवरण
मंत्रालय	वित्त मंत्रालय	मंत्री: निर्मला सीतारमण
संगठन	विश्व व्यापार संगठन	स्थापना: 1995; मुख्यालय: जिनेवा; DG: न्गोजी ओकोंजो-इवेला; सदस्य: 166
संगठन	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड	स्थापना: 1988; मुख्यालय: मुंबई; अध्यक्ष: तुहिन कांता पांडेय
संगठन	भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण	स्थापना: 1999; मुख्यालय: हैदराबाद; अध्यक्ष: अजय सेठ
संगठन	विश्व डोपिंग-रोधी एजेंसी	स्थापना: 1999; मुख्यालय: मॉन्ट्रियल, कनाडा
संगठन	भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान	स्थापना: 1949; मुख्यालय: नई दिल्ली; अध्यक्ष: चरणजोत सिंह नंदा
संगठन	भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग	स्थापना: 2003; मुख्यालय: नई दिल्ली; अध्यक्ष: रवनीत कौर
संगठन	यूनेस्को	स्थापना: 1945; मुख्यालय: पेरिस; DG: खालिद एल-एनानी
संगठन	अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति	स्थापना: 1894; मुख्यालय: लॉज़ेन; अध्यक्ष: कर्स्टी कोवेंट्री
बैंक	बैंक ऑफ़ बड़ौदा	स्थापना: 1908; मुख्यालय: वडोदरा; CEO: देबदत्ता चंद
राज्य	उत्तर प्रदेश	मुख्यमंत्री: योगी आदित्यनाथ; राज्यपाल: आनंदीबेन पटेल; राजधानी: लखनऊ
राज्य	तेलंगाना	मुख्यमंत्री: अनुमुला रेवंत रेड्डी; राज्यपाल: शिव प्रताप शुक्ल; राजधानी: हैदराबाद
राज्य	गुजरात	मुख्यमंत्री: भूपेंद्र पटेल; राज्यपाल: आचार्य देवव्रत; राजधानी: गांधीनगर

श्रेणी	संस्था / इकाई	मुख्य विवरण
केंद्र शासित प्रदेश	दिल्ली	मुख्यमंत्री: रेखा गुप्ता; उपराज्यपाल: विनय कुमार सक्सेना; राजधानी: नई दिल्ली
देश	म्यांमार	राजधानी: नेपीडॉ; राष्ट्रपति: आंग ह्लाइंग
देश	मंगोलिया	राजधानी: उलानबटार; प्रधानमंत्री: न्याम-ओसोरिन उचरल
देश	इटली	राजधानी: रोम; राष्ट्रपति: सर्जियो मटारेला; मुद्रा: यूरो
मंत्रालय	रक्षा मंत्रालय	मंत्री: राजनाथ सिंह
मंत्रालय	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	मंत्री: वीरेंद्र कुमार खटीक

Adda247 LIVE CLASSES

Online LIVE Classes for SSC, Banking, Railways and Other Govt Exams

Live & Recorded Classes

PDF Notes & Study Material

Mock Tests & Practice Questions

Doubt Solving Sessions

- **Expert Faculty** with Interactive Classes
- Full Exam Syllabus Coverage + Mock Tests
- Courses Available in Hindi, English & Regional Languages

Get Started Now